इंजीनियरी निर्यात संवर्धन परिषद की हीरक जयंती समारोह के अवसर पर भारत के राष्ट्रपति का अभिभाषण

विज्ञान भवन, नई दिल्ली: 03.09.2014

मुझे आज हमारे देश के एक उत्कृष्ट व्यापार और निवेश प्रोत्साहन संगठन, भारतीय इंजीनियरी निर्यात संवर्धन परिषद की हीरक जयंती समारोह के अवसर पर यहां उपस्थित होने पर प्रसन्नता हो रही है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा 1955 में स्थापित भारतीय इंजीनियरी निर्यात संवर्धन परिषद ने विगत 60 वर्षों से भारतीय इंजीनियरी निर्यात के प्रोत्साहन के दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है।

2. इस संगठन ने मात्र 40 निर्यातकों के साथ उस समय इंजीनियरी निर्यात सवंर्धन परिषद के रूप में अपनी यात्रा आरंभ की थी जब भारत का इंजीनियरी निर्यात केवल 10 मिलियन अमरीकी डॉलर था। आज 60 प्रतिशत लघु एवं मध्यम उद्यमों के साथ 13000 की सदस्यता प्राप्त करके वह अपनी तरह का अकेला संगठन बन गया है। भारत से होने वाला निर्यात पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 70 बिलियन अमरीकी डॉलर के ऊपर पहुंच चुका है जो इंजीनियरी निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा देश को दी जा रही सेवा का प्रमाण है।

3. इंजीनियरी निर्यात संवर्धन परिषद के समक्ष अपार चुनौतियां हैं। इंजीनियरी भारतीय उद्योग का एक प्रमुख क्षेत्र है तथा इस सेक्टर से विदेशों को जाने वाला सामान भारत के कुल सामान निर्यात का बाईस प्रतिशत है। इंजीनियरी सेक्टर के पास संगठित क्षेत्र की 25 प्रतिशत फैक्ट्रियां हैं तथा वह देश के कुल उत्पाद में लगभग 35 प्रतिशत का

योगदान करते हुए उच्चतम विदेशी विनिमय प्राप्त करता है। भारत के सामान निर्यात में इंजीनियरी का महत्व पिछले वर्षों के दौरान बढ़ गया है। 2014-15 के समाप्त होने वाले पिछले दशक के दौरान भारत का कुल उत्पाद निर्यात 2.71 गुना बढ़ा, वहीं इंजीनियरी निर्यात में इसी अवधि में 3.65 गुना वृद्धि हुई। कुल उत्पाद निर्यात में इंजीनियरी निर्यात का हिस्सा वित्तीय वर्ष 2004-2005 में 18.14 प्रतिशत से बढ़कर 2014-15 में 22.71 प्रतिशत हो गया। भारत के इंजीनियरी निर्यात में उत्तरी अमरीका और यूरोप का 31 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा था जबकि अफ्रीका और आसियान प्रत्येक क्षेत्र का इंजीनियरी वस्तुओं का भारत के विदेशी निर्यात का अनुमानित 12 प्रतिशत था। उत्पादों के संदर्भ में, इंजीनियरी निर्यात में 23 प्रतिशत का सबसे बड़ा हिस्सा लौह और इस्पात उत्पादों का था, उसके बाद विगत वित्तीय वर्ष के दौरान ऑटो और ऑटो पुर्जों तथा औद्योगिक मशीनरी का क्रमश: 18.2 प्रतिशत और 16.2 प्रतिशत हिस्सा था।

4. हमारे इंजीनियरी निर्यात में वृद्धि के पीछे एक प्रमुख उत्प्रेरक भारत जैसे देशों में वैश्विक विनिर्माण केंद्रों का स्थानांतरण है जो अपेक्षाकृत कम लागत के साथ उच्च गुणवत्ता वाला इंजीनियरी परिवेश प्रदान करते हैं। भारतीय इंजीनियरी निर्यात का स्वरूप समय के साथ बदल रहा है क्योंकि भारत, विकासशील देशों को कम मूल्य की वस्तुओं के निर्यातक के बजाय विकसित देशों को उच्च मूल्य वस्तुओं का निर्यातक बन रहा है। इंजीनियरी वस्तुओं और सेवाओं की आऊटसोर्सिंग जैसे नए अवसर, बेहतर और उन्नत उत्पाद डिजायन, उत्पाद विशिष्टीकरण तथा विनिर्माण प्रणालियों की अभिकल्पना इस क्षेत्र में नई विकास संभावनाएं प्रदान कर रहे हैं।

5. भारतीय इंजीनियरी क्षेत्र का भविष्य उज्ज्वल प्रतीत होता है। विश्व मंदी के वह हमारी अर्थव्यवस्था ने पुन: उत्थान के संकेत देने शुरू कर दिए हैं। सकल घरेलू उत्पाद की विकास दर 2012-13 के 5.1 प्रतिशत से बढ़कर 2013-14 में 6.9 प्रतिशत तथा पिछले वित्तीय वर्ष में 7.3 प्रतिशत हो गई। विनिर्माण क्षेत्र की अगुवाई में औद्योगिक उत्पादन में वित्तीय वर्ष के दौरान बढ़त दिखाई दी। वैश्विक वित्तीय बाजार के नवीनतम उतार-चढ़ाव के बाद भारत अपनी परिवर्तनीय महंगाई दर, कम चालू खातों और राजस्व घाटे, मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार, स्थिर कर नीतियों और चालू वित्तीय वर्ष में 8-8.5 प्रतिशत की अपेक्षित विकास दर के कारण विश्व अर्थव्यवस्था में कुछ आशाजनक स्थानों में से एक के तौर पर उभरा है।

6. तथापि, अगले दो दशकों के दौरान निरंतर उच्च विकास दर प्राप्त करने के लिए भारत को अवसंरचना, मानवीय तथा सामाजिक पूंजी के क्षेत्र में अभूतपूर्व निवेश करना होगा। इस प्रकार भारत के लिए अवसंरचना विकास एक बाध्यता तथा प्रमुख चिंता दोनों का विषय है। इसलिए अवसंरचना तथा भौतिक पूंजी में निवेश की बढ़ोतरी के मद्देनजर इंजीनियरी सेक्टर में विकास की संभावनाएं व्यापक हैं।

7. विनिर्माण क्षेत्र भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 18 प्रतिशत का योगदान देता है। यह अनुमान है कि इस क्षेत्र में 2025 तक 90 मिलियन घरेलू नौकरियां पैदा करने तथा भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 25 प्रतिशत योगदान करने की क्षमता है। सरकार की 'भारत में निर्माण' पहल का लक्ष्य भारत को एक विश्व विनिर्माण केंद्र में बदलना लक्ष्य है। इस नीति का उद्देश्य विश्व भर के निवेशकों को आमंत्रित करना तथा भारत के प्रतिभावान तथा कम लागत वाले मानव संसाधन

आधार का प्रयोग करते हुए भारत में अपने उत्पादों का निर्माण करने के लिए बहु-राष्ट्रीय कंपनियों को प्रोत्साहित करना है। इस पहल की सफलता के फलस्वरूप भारतीय इंजीनियरी क्षेत्र के विकास तथा मजबूती में सहायता मिलेगी।

8. इंजीनियरी निर्यात संवर्धन परिषद ने अब तक एक ओर अनेक मंत्रालयों और विभागों के साथ वहीं दूसरी ओर भारत के इंजीनियरी निर्यात को बढ़ावा देने के लिए व्यापक और समावेशी कार्यनीतियों के निर्माण के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय व्यापार तथा निवेश संवर्धन संस्थाओं के साथ मिलकर कार्य किया है। अब उत्पाद गुणवत्ता, बाजार और उत्पाद विविधता पर बल देना होगा। इसलिए यह संतोष का विषय है कि इंजीनियरी निर्यात संवर्धन परिषद ने रक्षा चिकित्सा उपकरणों तथा नवीकरणीय ऊर्जा जैसे नए और उभरते हुए क्षेत्रों के प्रोत्साहन के लिए अनेक पहलें की हैं तथा यह सुनिश्चित करने के लिए कौशल विकास पर जोर दे रहा है कि इंजीनियरी क्षेत्र भविष्य के लिए तैयार रहे।

9. मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि भारतीय इंजीनियरी निर्यात संवर्धन ने बड़ी संख्या में भारत और विदेश दोनों में क्रेता-विक्रेता बैठक, भारतीय इंजीनियरी उद्योग की क्षमताओं को दर्शाने के लिए विदेश व्यापार मेलों/प्रदर्शनियों तथा चुनिंदा विदेशी प्रदर्शनियों जैसी प्रोत्साहन गतिविधियां आयोजित की हैं। 'भारत इंजीनियरी प्रदर्शनी' जो भारतीय इंजीनियरी निर्यात संवर्धन परिषद का अपना ब्रांड है, विश्व की एक विशालतम इंजीनियरी प्रदर्शनी है। भारत के साथ वैश्विक साझीदारियों के निर्यात के प्रोत्साहन के लिए भारतीय इंजीनियरी निर्यात संवर्धन परिषद प्रत्येक वर्ष उत्पादों और सेवाओं के विशालतम प्रदर्शन के

लिए भारत इंजीनियरी संसाधन शो का भी आयोजन करता है। मुझे विश्वास है कि इंजीनियरी निर्यात संवर्धन परिषद अपने सभी भागीदारों के साथ तालमेल से अपनी गतिविधियों के क्षेत्र का विस्तार करती रहेगी तथा आने वाले वर्षों में भारतीय इंजीनियरी उद्योग के लिए एक सराहनीय ब्रांड पहचान बनाएगी।

10. इंजीनियरी निर्यात संवर्धन परिषद की बहुत सारी उपलब्धियां हैं परंतु उसे अभी एक लंबा रास्ता तय करना बाकी है। मुझे विश्वास है कि इंजीनियरी निर्यात संवर्धन संस्थान स्वयं को योग्य साबित करेगा तथा आर्थिक और सामाजिक विकास की दिशा में प्रगति में राष्ट्र का साझीदार बना रहेगा। मैं एक बार पुन: आप सभी को इस यादगार अवसर का हिस्सा बनने के लिए मुझे आमंत्रित करने हेतु धन्यवाद देता हूं। मैं आपके भावी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

जय हिंद!